विकलांग मंच

विकलांग समुदाय का मार्गदर्शक पाक्षिक

वर्ष : 28 अंक: 22	जयपुर 16 मई, 2014	RNI No.: 46429/86 Po.Regn.No.:RJ/JPC/FN-09/2012-14	वार्षिक शुल्क: 50/- प्रति मूल्य: 2.50

विकलांग मंच के आजीवन/वार्षिक सदस्य बनें एवं दूसरों को भी इसके सदस्य बनने की प्रेरणा दें

विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन:0141-2547156, 9351960369,9352320013, फैक्स:0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

विशेष योग्यजन के लिए कट ऑफ जारी करने के आदेश

विशेष योग्यजन आयुक्त ने सुनाया फैसला

अजमेर। विशेष योग्यजन आयुक्त जयपुर ने न्यायिक अधिकारियों की सीधी भर्ती परीक्षा में निशक्तजन के लिए अन्य श्रेणी अनुसार कट ऑफ जारी करने व रिक्तियों की तुलना में 15 गुना अभ्यर्थियों को मुख्य परीक्षा में शामिल करने के आदेश दिए। विशेष योग्यजन आयुक्त डॉ. मंजीत सिंह ने अपने फैसले में संशोधित परिणाम सात दिवस में घोषित करने के भी निर्देश दिए। फॉय सागर रोड स्थित बीके कॉल नगर निवासी दीपक जैन ने परिवाद

डॉ. मंजीत सिंह
विशेष योग्यजन आयुक्त, राजस्थान

दायर कर निशक्तजन अभ्यर्थियों के लिए कट ऑफ मार्क्स जारी करने की मांग की थी। परिवाद में बताया कि उच्च न्यायालय की ओर से सीधी भर्ती परीक्षा 2013 के विज्ञापन अनुसार 187 रिक्त पदों पर भर्ती की जानी थी।

भर्ती की प्रारंभिक परीक्षा 23 मार्च को हुई। इसके परिणाम में सभी श्रेणियों में रिक्त सीटों के अनुसार कट ऑफ जारी की गई लेकिन नि:शक्तजन के लिए रिक्तियों की कट ऑफ जारी नहीं की। परिवाद में बताया कि इससे पूर्व राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से पूर्व में ली गई परीक्षा में सभी श्रेणियों कट ऑफ जारी किए थे। इस मामले में एक अभ्यर्थी निकिता गुप्ता ने उच्च न्यायालय में भी रिट दायर कर रखी है।

प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

जयपुर। इंडियन काउन्सिल ऑफ सोशल वेलफेयर (भारतीय समाज कल्याण परिषद, वयस्क विकलांग औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा अनुमानित) सैक्टर 6, हीरापथ मानसरोवर जयपुर द्वारा 15 से 35 वर्ष के अस्थि एवं बधिर विकलांगों को स्वावलंबी बनाने के लिए कम्प्यूटर (डी.टी.पी.), कशीदारी (कढ़ाई) एवं सिलाई, इलैक्ट्रिकल मोटर बाईडिंग के नि:शुल्क प्रशिक्षण के लिए 30 जून तक आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

नेत्रदान महादान

नेत्रदान किसी भी आयु, लिंग या रक्त ग्रुप का हो सकता है।

नि:शक्तजनों को तीन फीसदी आरक्षण दें

पदोन्नति के मामले में कानूनी प्रावधान का पालन कराने को कहा

जयपुर। नि:शक्तजनों के लिए राहतभरी खबर है। हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव, महाधिवक्ता, प्रमुख कार्मिक सचिव और प्रमुख सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव ने कहा कि सभी विभागों में पदोन्नति सहित नौकरियों में नि:शक्तजन आरक्षण संबंधी कानून का पालन कराया जाए। साथ ही, जोधपुर विद्युत वितरण निगम अध्यक्ष को निर्देश दिया कि नि:शक्त कनिष्ठ अभियंता को सहायक अभियंता के पद पर पदोन्नति के मामले को भी दिखवाया जाए।

न्यायाधीश मोहम्मद रफीक ने राकेश कुमार स्वामी की याचिका पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने इस मामले में प्रमुख कार्मिक सचिव, जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक से जवाब मांगा है। प्रार्थीपक्ष के अधिवक्ता असलम खान ने कोर्ट को बताया कि प्रार्थी नौ साल से जोधपुर विद्युत वितरण निगम में कनिष्ठ अभियंता-द्वितीय के पद पर कार्यरत है और वह नि:शक्त है। सहायक अभियंता पद पर पदोन्नति में भी सीधी भर्ती की तरह नि:शक्तजनों को तीन प्रतिशत आरक्षण दिलाने का आग्रह करते हुए याचिका में यह भी कहा कि नि:शक्तजनों को भर्ती के साथ ही पदोन्नति में भी तीन प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। भारत सरकार ने जुलाई 2013 में सहायक अभियंता पद को नि:शक्तजनों के लिए चिन्हित पदों की सूची में शामिल किया है, जिसे राज्य सरकार ने भी मंजूर कर लिया है। कोर्ट ने जोधपुर विद्युत वितरण निगम के अध्यक्ष व प्रबन्ध निदेशक को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता के तीन प्रतिशत आरक्षण सम्बन्धी मामले का परीक्षण कराएं और उचित आदेश जारी करें।

न्यायिक कार्य होना चाहिए स्वतंत्र एवं त्वरित

जयपुर। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आर. एम. लोढ़ा ने कहा है कि त्वरित न्याय के लिए न्यायालयों में न्यायिक कार्य स्वतंत्र और त्वरित होने चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश लोढ़ा जोधपुर के झालामण्ड में हाईकोर्ट के नए भवन परिसर में बार काउन्सिल भवन के शिलान्यास समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध करवायी गई जमीन पर 22 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले बार काउन्सिल भवन की आधार शिला रखी।

मुख्य न्यायाधीश ने न्यायालयों में स्थगन प्रकरणों पर बोलते हुए कहा कि न्यायालयों में स्थगन के लिए आने वाले कुछ प्रकरण सही होते हैं तो कुछ आधारहीन भी। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में उन्हीं स्थगन प्रकरणों पर विचार किया जाना चाहिए, जो वास्तव में सही हों।

लोढ़ा ने न्यायिक कार्य दिवसों की कमी की चर्चा करते हुए कहा कि चिकित्सा व्यवस्था की तरह ही न्यायिक कार्य भी 365 दिन ही होने चाहिये, ताकि प्रकरणों का त्वरित निस्तारण हो सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में इस व्यवस्था को न्यायिक क्षेत्र में लागू करने का कोई कार्यक्रम प्रस्तावित नहीं है, फिर भी इस विषय पर बहस जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश लोढ़ा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय में जब कोई केस आता है तो

वह मुकदमे की अंतिम स्थिति होती है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय का यह प्रयास रहता है कि पक्षकार को सही न्याय मिले। उन्होंने न्याय क्षेत्र से जुड़े लोगों से आग्रह करते हुए कहा कि विधि एवं न्याय की गरिमा को बनाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति अमिताव रॉय ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए कहा कि बार काउन्सिल आदर्श मापदंड सिखाने वाली न्यायिक शिक्षा की सबसे बड़ी शिक्षण संस्था है।

राजस्थान उच्च न्यायालय के प्रशासनिक न्यायाधीश श्री दिनेश माहेश्वरी ने कहा कि भारतीय न्यायपालिका में न्यायिक अधिकारियों के साथ बार काउन्सिल का अहम् योगदान है। उन्होंने कहा कि बार व न्यायपालिका के सामने आ रही बाधाओं को पहचानकर कार्य करने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री बी.एस. सिनसिनवार, बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के को-कन्विनर तथा सदस्य अशोक मेहता, बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष मनोज कुमार गर्ग ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

समारोह में सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की पत्नी श्रीमती सुधा लोढ़ा, राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण, राज्य के महाधिवक्ता नरपतमल लोढ़ा, राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एच. आर. कुड़ी, राजस्थान उच्च न्यायालय अधिवक्ता परिषद्, जोधपुर के अध्यक्ष एवं बार काउन्सिल सदस्य रणजीत जोशी, राजस्थान लायर्स एसोसिएशन जोधपुर के अध्यक्ष दलीपसिंह राजवी, विधायक कैलाश भंसाली, सेवानिवृत्त न्यायाधीश, न्यायिक अधिकारी, अधिवक्तागण और नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

विचार मंच

व्यक्ति अपने आचरण से महान होता है जन्म से नहीं।
-चाणक्य

विकलांगों के लिए गरीबी से निकलने के रास्ते

यदि आप विकलांगों को शिक्षा के अवसरों से इनकार करते हैं, तो यह शिक्षा की अपनी कमी है न कि उनकी विकलांगता की जो उनके लिए अवसरों को सीमित करती है। भारत में 7 करोड़ से अधिक कुल जनसंख्या का 6 प्रतिशत विकलांग होने का अनुमान है। विश्व बैंक द्वारा करवाए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि भारत में विकलांग व्यक्ति अपेक्षाकृत अधिक गरीब हैं, उनके अनपढ़ और स्कूल नहीं जाने की संभावना अधिक होती है, उनके रोजगार के दर कम होते हैं और उन्हें सामाज में कलंक के रूप में माना जाता है, भारत में केवल 2 प्रतिशत विकलांग स्कूल जाते हैं और उनमें से केवल 1 प्रतिशत को लाभप्रद रोजगार मिलता है।

विकलांग विविध समूह, उम्र, लिंग और सामाजिक-आर्थिक श्रेणियों के होते हैं। विकलांग लोग भी समाज के लिए बहुमूल्य योगदान करने में पूरी तरह सक्षम हैं, यदि उन्हें भी मुख्यधारा के समाज के लिए दी जा रही तमाम किस्म की सुविधाओं को प्रदान किया जाए। आम जनता को उपलब्ध गलत सूचना और पूर्वग्रह तथा साथ ही विकलांगों के लिए अपर्याप्त बुनियादी ढांचे या शिक्षा के कारण देश की जीवंत अर्थव्यवस्था और अपने स्वयं के भरे-पूरे परिवार के लिए विकलांग कुछ कर पाने में अपने आप को पूरी तरह से तैयार नहीं कर पाते हैं। शिक्षा, आय और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करके यूनाइटेड वे ऑफ़ इंडिया आम बेहतरी के लिए और सभी के लिए बेहतर जीवन के लिए अवसर तैयार करने के लिए काम करता है। वर्तमान में यूनाइटेड वे एक राष्ट्रीय कार्यक्रम का निर्माण कर रहा है जहां विकलांग युवा आवश्यक तकनीकी प्रशिक्षण प्राप्त कर मुख्यधारा कार्यबल में शामिल हो सकते हैं। उन्हें इंटर्नशिप और रोजगार भी प्रदान किए जा सकते हैं। इस अनूठे कार्यक्रम को लागू करने के लिए यूनाइटेड वे निगमों, कंपनियों के कर्मचारियों, गैर लाभकारी संगठनों, सरकारी एजेंसियों और मीडिया के साथ अपनी भागीदारी का लाभ उठा रहा है।

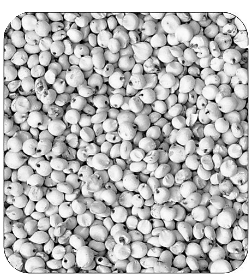

डायबिटीज, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से बचाती है

ज्वार

गेहूं की रोटी का बेहतर विकल्प है मोटे अनाज में ज्वार की रोटी। यह पोटेशियम और फास्फोरस के साथ ही कैल्शियम और आयरन से भरपूर है। यह वजन बढ़ने और हृदय विकार जैसे आर्टरीज में होने वाले ब्लॉकेज को रोकने में मददगार है। गर्मियों में ज्वार की रोटी, छाछ या कढी के साथ या साग के साथ सेवन करने से ठंडक देती है। तो हो जाए ज्वारी रोटी!!! ज्वार बहुत पौष्टिक होता है। इसमें बहुत ज्यादा फाइबर है। यह आटे की तरह लसलसा नहीं होता, जिससे यह डायबिटीज, आर्थराइटिस जैसी बीमारियों से बचाव में मदद देता है। यह हड्डियों और दांतों को भी मजबूत बनाता है। ज्वार बवासीर और घावों में लाभदायक है। ज्वार की रोटी नित्य छाछ में भिगोकर खाएँ। शरीर बलवान होता है। यह आटा गेहूं के आटे से कई गुना बेहतर होता है। ज्वार के आटे में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। यह ग्लुटेन रहित और नॉन एलर्जिक होता है। यह फाइबर, फॉस्फोरस और आयरन का भंडार है। इसमें अल्कालाइन नहीं होता, जिससे यह आसानी से पच जाता है। ज्वार विटमिन बी कॉम्प्लेक्स का अच्छा स्त्रोत है। शाकाहारी लोगों के लिए ज्वार का आटा प्रोटीन का एक अच्छा स्त्रोत है। शोध बताते हैं कि यह कुछ खास प्रकार के कैंसर के खतरों को भी कम करता है। साथ ही यह हृदय और मधुमेह रोगियों के लिए आटे का अच्छा विकल्प है।

विकलांग आश्रितों का आने वाला कल बनाएं उज्ज्वल

विकलांग व्यक्तियों के विकास जैसे थीम को तभी मूर्त रूप दिया जा सकता है जब विकलांगता से पीड़ित व्यक्ति, उनकी देख-रेख करने वाले या माता-पिता उनके सुरक्षित फाइनेंशियल भविष्य के बारे में योजना बनाएं।

आम तौर पर माता-पिता या देख-रेख करने वाले विकलांग व्यक्ति की वित्तीय जरूरतों और अन्य जरूरतों का ख्याल रखते हैं। हालांकि अप्रत्याशित घटनाएं कभी भी घट सकती हैं और यह विकलांग व्यक्ति के जीवन को बिना उचित योजना के बुरी तरह प्रभावित कर सकती हैं। भारत सरकार विकलांगों के हित के लिए तमाम तरह की योजनाएं चला रही है। हालांकि जैसे महंगाई हमारे जीवन को प्रभावित करती है उसी तरह विकलांग व्यक्तियों की वित्तीय जरूरतें भी इससे प्रभावित होती हैं।

यह जरूरी नहीं है कि कोई व्यक्ति जन्म से ही विकलांग हो। कुछ दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं भी विकलांगता का कारण बनती हैं और इससे व्यक्ति की जिंदगी प्रभावित होती है। उनके बेहतर भविष्य के लिए सभी अप्रत्याशित आपातकालीन जरूरतों के लिए पहले से ही योजना बना कर चलना अच्छा रहता है। जब माता-पिता को इस बात की जानकारी होती है कि उनका बच्चा विकलांग है या परिवार में कोई विकलांगता से पीड़ित है तो उन्हें उनकी मेडिकल जरूरतों के साथ-साथ उनकी वित्तीय सुरक्षा के लिए भी योजना बनानी चाहिए। हालांकि, अधिकतर परिवार विकलांग व्यक्तियों की वित्तीय जरूरतों और उन्हें मिलने वाले लाभों को लेकर जागरूक नहीं होते हैं। पारिवारिक वित्तीय परिस्थितियां अलग होती हैं और इसकी प्लानिंग इसी आधार पर की जानी चाहिए। किसी विकलांग व्यक्ति के लिए प्लानिंग करते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर गौर फरमाना चाहिए।

व्यापक योजना बनाएं

किसी विकलांग व्यक्ति की जरूरतों को व्यापक स्तर पर देखना चाहिए। शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्ति हो सकता है अपने जीवन यापन के लिए कुछ कमा ले और उसकी जरूरतें मानसिक मंदता से पीड़ित व्यक्ति से अलग होंगी जिसे नियमित देख-रेख की जरूरत होती है। उनकी वित्तीय जरूरतों की पहचान कीजिए जिसमें नियमित दवाइयों के खर्च, विभिन्न उपकरणों की लागतए उनके जीवन-यापन और स्वास्थ्य लाभ संबंधी खर्चे शामिल हों। प्लानिंग करते समय बढ़ती महंगाई पर विचार जरूर करें। इसके अलावा परिवार के अन्य सदस्यों की जरूरतें बिल्कुल भिन्न हो सकती हैं। यह जरूरी है कि परिवार के सभी बच्चों को एक अच्छी शुरूआत मिले। अगर विकलांगता से पीड़ित व्यक्ति अपने जीवन यापन के लिए उपार्जन कर सकता है तो उसे भविष्य के खर्चों के लिए पहले से ही प्लान करते हुए चलना चाहिए।

सरकारी योजनाओं का उठाएं लाभ

विकलांग व्यक्तियों के हित के लिए भारत सरकार ने कई योजनाएं प्रायोजित की हुई हैं। निर्याण हेल्थ

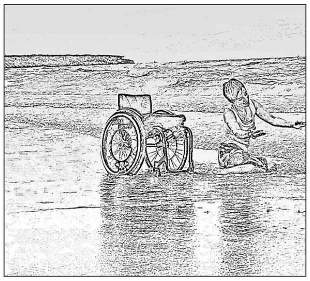

इंश्योरेंस स्वलीनताए मानसिक मंदता, सेरीब्रल पाल्सी और बहु विकलांगता से पीड़ित व्यक्तियों के लिए एक लाख रुपये तक का बीमा उपलब्ध कराती है। यह स्कीम नेशनल ट्रस्ट या इस क्षेत्र में काम करने वाले एनजीओ के माध्यम से उपलब्ध है। इसके अलावा विकलांग व्यक्तियों को देश भर में रेल, बस या हवाई यात्रा के किराए में छूट मिलती है। साथ ही सरकारी नौकरियों में इनके लिए आरक्षण की व्यवस्था भी है।

1000 रुपये प्रति माह के पेंशन की व्यवस्था विकलांग व्यक्तियों के जीवन यापन के लिए है साथ ही प्रॉपर्टी की खरीद में दो प्रतिशत का रिजर्वेशन होता है। महत्वाकांक्षी व्यक्तियों के लिए सरकार डिस्काउंट पर लोन उपलब्ध कराती है ताकि ऐसे लोग अपना कारोबार शुरू कर सकें। इसके अलावा कई और योजनाएं हैं जो विकलांगता से पीड़ित व्यक्तियों के परिवार की मदद कर रही हैं। परिवार के विकलांग सदस्य के लिए बीमा लेने पर आयकर अधिनियम की धारा 80डीडी के तहत लाभ मिलता है।

निवेश में बरतें सावधानी

अगर विकलांगता से पीड़ित व्यक्ति वयस्क नहीं है तो माता-पिता या देख-रेख करने वाले को बचत का एक हिस्सा उनके भविष्य की जरूरतों के लिए अलग रखना चाहिए। विभिन्न इंस्ट्रूमेंट्स में सावधानीपूर्वक इस प्रकार निवेश करें कि अपेक्षित लक्ष्य पूरा हो सके। अगर विकलांग व्यक्ति वयस्क हैए अपने जीवन यापन के लिए उपार्जन कर रहा है तो उन्हें अपनी बचत का एक हिस्सा आगे के लिए सुरक्षित रखना चाहिए।

सुरक्षा

स्थिति तब ज्यादा बुरी हो जाती है जब देख.रेख करने वाले व्यक्ति या माता-पिता की मृत्यु हो जाती है और वह परिवार के विकलांग सदस्य के लिए किसी तरह का कोई प्रावधान नहीं किए रहते। अगर परिवार के पास अच्छा-खासा धन है तो वह सरकार द्वारा प्रायोजित लाभों का फायदा नहीं उठा सकता। इस प्रकार अगर कानूनी उत्तराधिकारी ने परिवार के विकलांग सदस्य की तरफ ध्यान नहीं दिया तो उसकी जिंदगी कठिनाई भरी हो सकती है। हालांकिए स्पेशल ट्रस्ट बना कर परिवार इस बात के लिए आश्वस्त हो सकता है कि पैसों का इस्तेमाल केवल विकलांग सदस्य के लाभ के लिए होगा। सरकार भी कानूनी अभिभावक नियुक्त करती है अगर विकलांग व्यक्ति का कोई और न हो।

फाइनेंशियल प्लानर की मदद लें

अधिकतर परिवार अपनी प्लानिंग में परिवार के विकलांग सदस्य को शामिल नहीं करते हैं। फाइनेंशियल प्लानर्स से किसी तरह की मदद न मिलने की वजह से विकलांग सदस्य की प्लानिंग में या तो विलंब होता है या फिर सब कुछ अनियोजित चलता रहता है। समझदारी इसी बात में है कि परिवार के विकलांग सदस्य के लिए जितनी जल्दी हो सकेए फाइनेंशियल प्लानर की मदद लेनी चाहिए। हालांकि, भारत में अधिकतर प्लानर्स खास तौर से ऐसे परिवारों के लिए काम नहीं करते हैं लेकिन उनकी विशेषज्ञता की बदौलत भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकता है। एक विकलांग व्यक्ति जो अपने जीवन यापन के लिए उपार्जन कर रहा है उसे अपने भविष्य की विभिन्न वित्तीय जरूरतों के लिए प्लानिंग जरूर करनी चाहिए।

वित्तीय परिस्थितियों की समीक्षा करें

फाइनेंशियल प्लानिंग का यह महत्वपूर्ण हिस्सा है। अधिकतर लोग अपने प्लान की समीक्षा नहीं कर पाते। देखरेख करने वाले या सरकारी लाभों में बदलाव के कारण विकलांग व्यक्ति की भविष्य की जरूरतें प्रभावित होती हैं। समीक्षा के जरिये ऐसे बदलावों के लिए व्यवस्था की जा सकती है। अगर निवेश किया गया है तो खराब प्रदर्शन करने वाले इंस्ट्रूमेंट की पहचान कर आवश्यक बदलाव किए जा सकते हैं। अमेरिका में ऐसे परिवारों के लिए समर्पित फाइनेंशियल प्लानर्स हैं। यह जागरूकता अब भारत में भी फैल रही है और कई फाइनेंशियल प्लानर ऐसे परिवारों के भविष्य की प्लानिंग कर उनकी मदद कर रहे हैं।

जितेंद्र सोलंकी

विकलांग मंच कार्यालयः प्लाट नं. 141, सेक्टर-8, मालवीय नगर, जयपुर-302017, फोन:0141-2547156. फोटो टाइपसेटिंग: टास्क ग्राफिक्स (मोबा.:9828278728)। मुद्रित: श्रीराम आफसेट, जोरावरसिंह गेट बाहर, आमेर रोड, जयपुर। संरक्षक: डी.आर.मेहता (रिटा.आई.ए.एस.)। प्रधान संपादक: एम.आर.सिंघवी (रिटा.आई.आई.एस.)। प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक: एन. के.खत्री। संपादकीय सलाहकार:डॉ. अरुण माथुर। हाडोती अंचल ब्यूरो प्रमुख: अर्जुन देव चड्ढा, कोटा। देहरादून अंचल ब्यूरो प्रमुख: वी.डी. शर्मा। प्रबन्धक : धर्मपाल।

लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान ने लगाई प्याऊ

जयपुर। लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान द्वारा बढारना स्थित अपने प्रज्ञाचक्षु भवन परिसर के बाहर जनसहयोग से प्याऊ लगाई गई है। संस्थान के सचिव ओम प्रकाश अग्रवाल ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए इस जल मंदिर की स्थापना की गई है। इस जल मंदिर से आसपास के औद्योगिक क्षेत्र व कच्ची बस्ती के लोग इससे लाभान्वित होंगे। इस जल मंदिर में श्रीमती पुष्पादेवी जौहरीलाल खत्री मेमोरियल ट्रस्ट सहित अन्य समाजसेवी महानुभावों ने सहयोग प्रदान किया है।

अधिकारी पारदर्शिता से कार्य करें

जयपुर। लोकायुक्त न्यायमूर्ति एस.एस. कोठारी ने कहा कि अधिकारी आमजन को सुशासन देने के लिए पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ कार्य करते हुए समस्याओं का निराकरण करें।

न्यायमूर्ति कोठारी करौली कलक्ट्रेट सभागार में जनसुनवाई के बाद विभागीय अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परोपकार को जीवन का उद्देश्य मानते हुए सभी अधिकारी अपने अधिकारों का सदुपयोग करते हुए कर्तव्यों का उत्कृष्टता के साथ निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि आज आम लोगों में धारणा है कि सुविधा शुल्क के बिना सरकारी कार्यालयों में काम नहीं होता है इसे हम सभी को संकल्प लेकर मिटाना होगा। आमजन को समय पर सही सेवाएं प्रदान की जाएं, टैंडर, नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता रखी जाए तथा समय पर बिना भेद भाव के योजनाओं का क्रियान्वन हो तभी जाकर शासन प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ेगा।

लोकायुक्त ने कहा कि प्रत्येक कार्य की समय सीमा निर्धारित करते हुए जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरें। आमजन को संवेदन शीलता के साथ सुनते हुए समस्याओं का निराकरण करें। प्रशासनिक स्तर पर निराकरण होने पर न्यायालयों में अथवा उच्च अधिकारियों के पास जाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। लोकायुक्त सचिवालय में दर्ज परिवादों की चर्चा करते हुए उन्होंने तथ्यात्मक रिपार्ट समय पर प्राप्त नहीं होने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि समय पर रिपोर्ट प्राप्त होने पर समस्या का शीघ्र निराकरण हो जाता है। झूठी शिकायतों से अधिकारी डरे नहीं, इससे प्रतिष्ठा पर फर्क नहीं पड़ता है। उन्होंने कहा कि सद्भावना एवं लोक हित में किये गये कार्यो अथवा श्रेष्ठ कार्य करने वाले

अधिकारी हतोत्साहित नहीं हो यह भी ध्यान रखा जाता है। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त सचिवालय की कार्य प्रणाली दोषी को दंड तथा निर्दोषी को संरक्षण देना है। उन्होंने लोकायुक्त अधिनियम की जानकारी देते हुए कार्य प्रणाली की जानकारी दी तथा देश में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं उसे रोकने के लिए किये जा रहे प्रयासों के बारे में बताया।

प्रमुख शासन सचिव श्री पदम चन्द जैन ने कहा कि परिवाद निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त होने पर चाहे वह व्यक्तिगत समस्या हो या सामुदायिक हित की उस की तथ्यात्मक रिपोर्ट विभाग के अधिकारियों से प्राप्त की जाती है इसमें पूरी तह तक जाने के बाद समय पर रिपोर्ट भिजवाएं। उन्होंने कहा कि सक्षम स्तर से जांच के बाद दोषी लोकसेवक के खिलाफ शिकायत सही पाई जाए तो शीघ्र कार्यवाही अमल में लाएं। उन्होंने बताया कि लोकायुक्त सचिवालय द्वारा एक वर्ष में 3 हजार 761 परिवादों का निस्तारण किया गया है। जिला कलक्टर डॉ. बी.एल. जाटावत ने जिले की भौगोलिक स्थित, प्रमुख विकास कार्यों एवं जनसमस्याओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आश्वस्त किया की जिले से संबंधित लम्बित चले आ रहे 15 परिवादों का शीघ्र निस्तारण कर दिया जाएगा।

गुजराती गरबा व गीत-संगीत से भारतीय प्रवासी मंत्र-मुग्ध

नारायण सेवा संस्थान का लन्दन मे भामाशाह सम्मेलन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में लन्दन (यु.के.) के विविध क्षेत्रों में स्नेह मिलन एवं सत्संग कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में हरिबेन बच्चु भाई नागरेचा हॉल लन्दन में स्नेह मिलन एवं समाज सेवी भारतीय प्रवासियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। संस्थान के संस्थापक श्री कैलाश 'मानव', लन्दन के पुन्य स्वामी बापू रानीगा परिवार, रमणीकभाई रानिगा, दिनेष भाई रानिगा व हरीष भाई रानिगा ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि श्री मनोज भाई पंखानिया ने कहा कि प्रभु के दर्शन कहा होंगे, यह किसी को पता नहीं। नारायण सेवा संस्थान जन्मजात पोलियो विकलागों की नि:शुल्क चिकित्सा कर उन्हें अपने पावों पर खडा करने का जो कार्य कर रहा है वह सचमुच साक्षात् नारायण की ही पूजा है। श्री कैलाश मानव ने भारत में नारायण सेवा संस्थान की स्थापना कर गरीबों, निराश्रितों, विकलांगों एवं असहाय महिलाओं व बच्चों की चिकित्सा एवं सेवा के लिए बडा काम किया है। जिस पर हम भारतीय प्रवासियो को गर्व हैं। कार्यक्रम में संस्थान संस्थापक कैलाश 'मानव' ने कहा कि संस्थान सात समुद्र पार के देशों मे निवासरत् उन भारतीयों का आभारी है, जिन्होंने भारतीय संस्कृति और सेवा सन्देश को अपनी दिनचर्या में शामिल कर भारत की मिट्टी की खुशबु को सहेजा है। अपने उद्बोधन में, संस्थान अध्यक्ष श्री प्रशान्त अग्रवाल ने संस्थान की 28 वर्षीय सेवा यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि

संस्थान के सेवा महातीर्थ बड़ी, उदयपुर में 200 निराश्रित बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय का निर्माण कार्य शुरू किया गया है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि वीनु भाई नागरेचा, जगदीष पामेचा, श्रीमती कान्ता बेन, सिद्ध आश्रम के गुरू राजेश परमार, हसमुखभाई गोहिल, सुभाषभाई, प्रकाश भाई, यू.सी. पटेल, उर्मिल बेन, नवीन भाई-बल्लुभाई, कान्तीलाल टेलर श्री हसमुखभाई थे । राज ज्वेलर्स की ओर से श्री कैलाश मानव का अभिनन्दन किया गया । संस्थान की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर मेवाडी पाग और श्रीनाथजी का उपरणा पहनाकर स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम के दौरान 400 से अधिक लोगों को गुजराती गरबे एवं भारतीय संस्कृति से ओत-प्रोत गीत-संगीत की रंगा-रंग प्रस्तुतियों ने वहा उपस्थित सभी महानुभावों का मन गद्-गद् कर दिया। कार्यक्रम का संचालन महिम जैन ने किया।

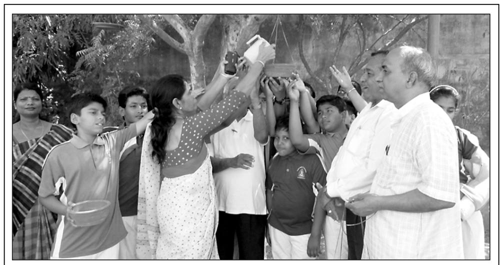

आर्य समाज का परिण्डे टांगो अभियान प्रारंभ

कोटा। ईश्वर ने जिसको चोंच दी है उसको दाना-पानी भी देगा। इस ईश्वरीय कार्य में मनुष्य सहभागी बने तो वह सच्चा ईश्वर भक्त है, गर्मी की ऋतु में मनुष्यों के साथ ही पक्षियों के लिए भी दाने व पानी पीने की व्यवस्था हमें करनी चाहिए। उक्त विचार आर्य समाज जिला सभा कोटा के प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने डीएवी पब्लिक स्कूल तलवण्डी कोटा में परिण्डा बांधकर परिण्डा टांगों अभियान के अवसर पर व्यक्त किये।

डीएवी की प्राचार्या श्रीमती सरिता रंजन गौतम ने बच्चों को पशु-पक्षियों को पानी पिलाने के लिए एवं अपने घरों में पेडों पर परिण्डा बांधने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डीएवी स्थानीय प्रबन्ध समिति के सदस्य डॉ. वेदप्रकाश गुप्ता, जिला सभा के प्रचार मंत्री अरविन्द पाण्ड्ेय, डॉ. आरती शर्मा, श्रीमती मिली गहलोत, राकेश शर्मा, मनोज शर्मा व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

पंजाबी समाज ने बांधे परिन्डे

कोटा। गर्मियों में पक्षियों को पेड़ की छांव, पीने के लिए पानी मिले तो उनको कलरव हमारे चारों ओर गूंजता रहे इसके लिए आर्य समाज द्वारा परिन्डे बांधो अभियान चलाया गया।

उक्त संदर्भ में आर्य समाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा, मंत्री कैलाश बाहेती, समाजसेवी व शिक्षाविद्ध रविन्द्र कुमार साहनी, पंजाबी जनसेवा समिति के महामंत्री दर्शन पिपलानी, उप सचिव लेखराज वधवा, वार्ड पार्षद जसपाल अरोड़ा बिट्टू, अविनाश गुप्ता ने शोपिंग सेन्टर स्थित लाला लाजपत राय वाटिका

में परिन्डे बांधे। जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने कहा कि यह पक्षी प्रेम का उत्तम कर्म है पक्षियों के लिए पानी-दाना के लिए पेड़ों पर परिन्डे बांधना।

पार्षद जसपाल अरोड़ा ने कहा कि यहां लगाए गए परिन्डों में नित्य पानी व दाना डालने का मैं संकल्प लेता हूं तथा अपने क्षेत्र में परिन्डे बांधने के लिए लोगों को प्रेरित करूंगा। दर्शन पिपलानी ने कहा कि हम आर्य समाज के साथ मिलकर कई वर्षों से परिन्डे बांध रहे हैं तथा अन्य समाज सेवा के कार्य भी कर रहे हैं। रविन्द्र साहनी ने कहा कि इस प्रकार के परोपकारी कार्य हम सबको करने चाहिए। इस प्रकार के कार्यों से मानसिक सुख की अनुभूति होती है।

स्वाति बाहेती को शोध उपाधि

कोटा। कोटा की आर्यपुत्री स्वाति बाहेती को पीएचडी की उपाधि। स्वाति बाहेती ने राजनीति विज्ञान में राजस्थान विधानसभा में विपक्ष की भूमिका (11वीं एवं 12वीं विधानसभा का तुलनात्मक अध्ययन) विषय पर राजकीय महाविद्यालय कोटा की प्रोफेसर श्रीमती मंजू मालव के निर्देशन में अपने शोध प्रबंधन का पूर्ण किया है। इस अवसर पर आर्यसमाज के जिला प्रधान अर्जुनदेव चड्ढा ने बताया कि आर्य समाज रामपुरा के प्रधान व जिला सभा के मंत्री कैलाश बाहेती की सुपुत्री स्वाती बाहेती प्रारम्भ से ही मेधावी छात्रा रही है। स्मरण रहे स्वाति बाहेती कोटा के जेडीबी गर्ल्स कॉलेज की सत्र 2004-05 में छात्रासंघ अध्यक्ष भी रह चुकी हैं।

रोटरी क्लब ने प्रशिक्षण केन्द्र को दी मशीनें

राजस्थान महिला कल्याण मण्डल संस्था, चाचियावास में रोटरी इन्टरनेशनल (फाउडेशन) एवं रोटरी क्लब, अजमेर के तत्वाधान से दक्ष व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र हेतु दी गई 1,10,000 रूपये की विभिन्न मशीनरी (जिक्षो, रन्दा एवं कटिंग मशीन) का लोकार्पण रोटरी क्लब अजमेर के संरक्षक रोटेरियन ललित कुमार सोगानी, अध्यक्ष एस.एन. सिंघल, सचिव कमल शर्मा, आर.के.एस. जोधा के कर कमलों द्वारा संस्था परिसर में आयोजित समारोह में किया गया।

समारोह में रोटरी क्लब के संरक्षक ललित कुमार सोगानी ने रोटरी क्लब द्वारा दीन दुखियों एवं समाज हितार्थ क्लब द्वारा दी जा रही सेवाओं की जानकारी देते हुय कहा कि संस्था द्वारा विकलांग बच्चों के शिक्षण-प्रशिक्षण एवं पुनर्वसन हेतु किये जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर क्लब ने संस्था द्वारा संचालित दक्ष व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र हेतु उपर्युक्त मशीनरी दी है जिससे इस यूनिट में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों एवं प्रशिक्षकों का कार्य और आसान हो जायेगा एवं वे और अधिक कार्य कुशलता से कार्य कर सकेगें।

संस्था की मुख्य कार्यकारी श्रीमति क्षमा आर. कौशिक ने संस्थागत जानकारी देते हुये दक्ष प्रशिक्षण केन्द्र के बारे में बताया कि वर्तमान में इस केन्द्र में 27 बच्चे वुडन, स्टेशनरी, डेको आदि अलग-अलग ईकाईयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है विशेष बात यह है कि इसमें प्रशिक्षण देने वाले सभी प्रशिक्षक स्वयं भी विकलांग है और यही से प्रशिक्षण प्राप्त कर आज प्रशिक्षक की भूमिका निभा रहे है।

संस्था के अधिशाषी सचिव श्री सागरमल कौशिक ने रोटरी क्लब द्वारा दिये गये सहयोग हेतु क्लब का आभार व्यक्त करते हुये उपस्थित सभी लोगो का धन्यवाद प्रेषित किया। कार्यक्रम में रोटरी क्लब, अजमेर के सदस्य संस्था के कार्यकर्ता, डी.एड विद्यार्थी और ग्रामवासी उपस्थित थे।

आओ योग का प्रयोग करें:बी.के. सुमित्रा

भिवानी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सौजन्य से स्थानीय हुड्डा पार्क में एक विशेष कार्यक्रम आओ योग का प्रयोग करें के नाम से आयोजित किया गया। योग एक ऐसी क्रिया है, जिसमें कई प्रकार के विकार तथा बीमारियों से निजाती मिलती है, अपितु आत्मा को एक पॉवरफुल ऊर्जा का भी एहसास होता है। बशर्ते कि योग की विधि समूची या विधिवत् हो। यह कहना है शाखा प्रबंधक बी.के. सुमित्रा बहन का। उन्होंने कहा कि योग से आत्मा में शुभ विचार, शुभ विचार, शुभ संकल्पों का संग्रहण होता हैं और जिसके पास ज्ञान धन या शुद्ध विचारों की पूंजी होगी, वही तो महादानी तथा वरदानी के अर्थ को समझ पाएगा, वही जीवन में योग और प्रयोग को सार्थक बना पाएगा। बहन सुमित्रा ने कहा कि आध्यात्मिक जीवन से खुद को खुशनुमा व आनंदमय रखने का अनुभव होता है, परन्तु दूसरों को भी अपने अनुभव से ईश्वरीय प्रेम की अनुभूति करा सकते है। ये जीवन एक प्रयोगशाला है, जिसमें हम बहुत से प्रयोग स्वयं पर ही करते हैं।

मगर विडंबना यह है कि हम उस प्रयोग से सीखते क्यों नहीं, यह एक बड़ा प्रश्न है। योगी ही सहयोगी हो सकता है। इस अवसर पर बी.के. कामरा, बी.के. लालचंद, बी.के. भगवान, बी.के. महेन्द्र गर्ग, बी.के. राजबीर, बी.के. कालु, बी.के. शकुन्तला, बी.के. कमला, बी.के. अन्नु, बी.के. श्वेता तथा मीडिया प्रभारी बी.के. धर्मबीर सहित अनेक ब्रह्माकुमार-कुमारी उपस्थित रहे।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन

अंता (बारां)। राविपा के प्रदेश अध्यक्ष आफाक अहमद खान ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन देकर विशेष योग्यजनों को स्वरोजगार योजना में बैंकों से मिलने वाले ऋण मिलने में आ रही परेशानी के बारे में ध्यान आकृष्ट कर इसका निदान करने का अनुरोध किया है। ज्ञापन में मांग की गई है कि बैंक प्रबंधकों को समय पर ऋण देने के निर्देश दिए जाएं ताकि विशेष योग्यजन अपना रोजगार प्रारंभ कर सम्मान पूर्वक अपना जीवन यापन कर सकें।

कुदरत का कहर

डेगाना। गौरेडी चाचा डेगाना निवासी चम्पालाल शर्मा के दो पुत्र व दो पुत्री है परन्तु कुदरत के कहर के कारण काफी दुखी है कभी अपने आपको कोसते हैं कि मेरे ही कुछ कर्म पूर्व जनम के होंगे जिन्हें मैं अब भोग रहा हूँ या मेरे पुत्र के दो सकते हैं वह भी भोग रहा है शर्मा का कहना है कि मेरा दूसरे नम्बर का पुत्र जिसका नाम योगेश कुमार है जिसकी वर्तमान में उम्र 27 वर्ष है दोनों आँखों से कुछ नहीं दिखाई देता है योगेश से पूछने पर बताया कि मैं जब कक्षा 6 का विद्यार्थी था तो अचानक मेरी आँखों में जलन शुरू हो गयी थी जिसका इलाज मैंने सम्पूर्ण भारत में करवाया था। जयपुर, इन्दौर, अहमदाबाद, एम्स नई दिल्ली, मद्रास परन्तु सब जगह निराशा ही हाथ लगी और धीरे-धीरे मेरी दोनों आँखों की सम्पूर्ण रोशनी चली गई परन्तु मैने हिम्मत नहीं हारी शिक्षा निरन्तर जारी रखी मैंने बीए एमए बीएड तक शिक्षा प्राप्त कर ली है। अब नौकरी के लिए प्रयास कर रहा हूँ कई बार परीक्षा भी दी है परन्तु कुछ अंक कम रह जाने के कारण सफल नहीं हो पा रहा हूँ समय ने साथ दिया तो अब आगे मेरी इच्छा पी.एच.डी. करने की है बाकि सब ऊपर वाले के हाथ में हैं।

आर.एस. चौहान

सूरदास जयंती मनाई

जयपुर। सक्षम संस्थान एवं लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में हाल ही बढारना स्थित प्रज्ञाचक्षु भवन में सूरदास जयंती का आयोजन किया गया। जयंती समारोह में संस्थान के दृष्टिबाधित प्रशिक्षणार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में सक्षम संस्थान के जयपुर जिला प्रमुख बुलाकीदास पुरोहित और डॉ.मदन गोपाल सक्सैना ने सूरदास की जीवनी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर नेत्र चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में डॉ.मदन गोपाल सक्सेना ने समारोह में मौजूद लोगों की आंखों की जांच कर परामर्श दिया। अंत में लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान के सचिव ओम प्रकाश अग्रवाल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

नेत्र परामर्श शिविर लगा

अजमेर। सूरदास जयन्ती को अजमेर में एक नेत्र परामर्श शिविर रामगंज क्षेत्र में कंजर बस्ती (सेवा बस्ती) में लगाया गया जिसमें डॉ. राजेन्द्र हेडा और डॉ. प्रदीप भार्गव ने अपनी सेवाएं प्रदान की शिविर में 36 मरीजों को निःशुल्क चश्मे व दवाइयां वितरित की गई। कुल 51 मरीजों के रजिस्ट्रेशन किए गए।

नर्सिंगकर्मी मानवीय दृष्टिकोण से मरीजों के साथ सद्व्यवहार करें

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र राठौड़ ने कहा है कि नर्सिंगकर्मी चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में मेरूदण्ड की भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंगकर्मी सेवा के संकल्प एवं मानवीय दृष्टिकोण से मरीजों के साथ सद्व्यवहार कर रोगियों और समाज में सम्मान अर्जित कर सकते हैं।

राठौड़ सवाई मानसिंह अस्पताल स्थित सभागार में अन्तर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने श्रेष्ठ कार्य करने वाले 33 नर्सिंगकर्मियों को फ्लोरेंस नाईटएंगल पुरस्कार एवं जी.एन.एम., ए.एन.एम., बीएससी व एमएससी नर्सिंग में श्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न व प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

चिकित्सा मंत्री ने नोबल नर्सिंग सेवा की शुरूआत करने वाली फ्लोरेंस नाईटएंगल के जन्म दिवस पर नर्सिंगकर्मियों को बधाई दी एवं ''द लेडी विथ द लैम्प'' के पद्चिन्हों पर चलकर सेवा और समर्पण की भावना से मरीजों की सेवा करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि फ्लोरेंस नाईटएंगल ने विश्वयुद्ध के दौरान दवाइयों की कमी, स्टॉफ की कमी और अत्यन्त विपरीत परिस्थितियों में भी अदम्य साहस का परिचय देते हुए विश्व के इतिहास में अपना नाम अमर कर दिया। उन्होंने कहा कि दया, करुणा और प्रेम की प्रतिमूर्ति नर्स, डॉक्टर और मरीज के बीच का एक महत्वपूर्ण ब्रिज है। राठौड़ ने नर्सिंगकर्मियों का प्रबंधन व्यवस्थित करने के लिये अलग से निदेशालय प्रारम्भ करने पर सिद्धान्ततः सहमति व्यक्त करते हुये कहा कि नर्सिंगकर्मियों की विभिन्न समस्याओं का समाधान करने के लिये हरसंभव प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मिलेनियम डवलपमेंट गोल्स अर्जित करने एवं स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने में चिकित्सकों के साथ नर्सिंगकर्मियों को भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुभाष नेपालिया ने कहा कि नर्सिंगकर्मी अपने ज्ञान एवं अनुभव के आधार पर नर्सिंग कार्य के साथ-साथ चिकित्सकीय कार्य, परामर्श की भूमिका व समाजसेवी की भूमिका भी निभाते हैं। अतिरिक्त निदेशक प्रशासन दिनेश कुमार जांगिड ने बताया कि नर्सिंगकर्मियों की पदोन्नति सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिये आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। राजस्थान नर्सिंग कॉसिल के रजिस्ट्रार जोगेन्द्र शर्मा ने अतिथियों का स्वागत करते हुये नर्सिंग कॉसिंल के कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रदेश में नर्सिंग निदेशालय स्थापित करने एवं राजस्थान नर्सिंग कॉसिंल के तत्वावधान में मॉडल नर्सिंग कॉलेज व मॉडल नर्सिंग स्कूल स्थापित करने का आग्रह किया। सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक डॉ. मानप्रकाश शर्मा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विकलांग भी चला सकेंगे ये कार

किसी भी विकलांग इंसान की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी मजबूरी होती है। वो चाह कर भी वो सब कुछ नहीं कर सकता है जिसे वो करने की सोचता है। इस मामले में एक विकलांग

इंसान की एक सबसे बड़ी मजबूरी यह होती है कि वो अपने व्हील चेयर पर पड़े-पडे ही अपनी पूरी जिंदगी काट देता है। घर वाले उसके मजबूर पैरों के चलते कहीं भी उसे ले नहीं जा सकतें हैं।

ऐसे मामलो में उनकी परेशानी और बढ़ जाती है जो जन्मजात नहीं बल्कि किसी हादसे के चलते अपने पैरों को खो दिये हों। क्योकि उन्होंनें दुनिया अपने पैरों पर भाग के देखी होती है और अचानक आई इस मजबूरी से वो बेहद परेशान हो जातें हैं। लेकिन ऐसे लोगों को अब घबराने की जरूरत नहीं हैंए जी हां दुनिया विकास की तरफ देखती है और खोजें अपना जीवन तलाश लेती हैं। कंगारू नाम की कंपनी ने एक ऐसी कार का अविष्कार किया है जो कि ऐसे ही असहाय लोगों के लिए बनाई गई है।

देखने में यह कार बेहद ही आकर्षक और छोटी है, यह एक इलेक्ट्रीक कार है जिसे आसानी से कहीं पर पार्क किया जा सकता है। इसके अलावा यह कार एक व्हीलचेयर पर बैठे रहने वाले उस इंसान को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो कि हर तरह से मजबूर होता है। लेकिन कंपनी ने इस कार में उन सभी फीचर्स को बखूबी शामिल किया है जो कि इसे अपने सेग्मेंट में बेहद ही शानदार बनातें हैं। तो आइये तस्वीरों के माध्यम से देखतें हैं इस शानदार कार को।

किसी को धोखा देकर यह मत समझो
कि मैं चालाक कितना हूं
यह देखो कि उसको आप
पर विश्वास कितना था

व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम
फैमिली ऑफ शिरड़ी सांई बाबा
ESTD. 2000
भागीदारी
सोसाइटी अधिनियम 1860 की धारा 21 के तहत दिल्ली सरकार द्वारा पंजीकृत
ई-6, प्रथम-तल, बस्ती विकास केन्द्र, सुल्तानपुरी दिल्ली-110086
Ph. : 011-65691733/9212481733/8585924145
Visite as:- familyofshridisai.org Email:- fssbngo@gmail.com
-ः कोर्स उपलब्ध ः-
+ कम्प्यूटर + टाईपिंग + सिलाई कटाई + ब्यूटी पार्लर
+ मेहन्दी + इंग्लिश स्पीकिंग + व्यक्तिगत विकास
+ कम्प्यूटर हाडवेयर + मोबाईल रिपेरिंग + इन्टरनेट कक्षाऐं
नोट :- कोर्स समाप्ति के उपरान्त सरकार द्वारा प्रमाणित प्रमाण-पत्र दिया जाएगा एवं नौकरीयों का प्रबन्ध भी किया जाता है

जीवन में धैर्य से मंजिल प्राप्तःप्राची देवी

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ बड़ी में सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिन व्यासपीठ पर विराजित पुज्या प्राची देवी ने कथा के माध्यम से आज समुद्र मंथन का प्रसंग सुनाया और बताया कि समुद्र मंथन की तरह ही अपने जीवन का भी मंथन करना चाहिए अर्थात सर्वप्रथम जीवन में जब किसी कार्य की शुरूआत करते है, तो सर्वप्रथम विष की भांति कई तरह की कठिनाईयां प्राप्त होती है। जिस प्रकार समुद्र मंथन से अमृत प्राप्त होता है। धैर्य से कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने लक्ष्य प्राप्ति के लिए डटे रहने पर व्यक्ति को अपनी मंजील प्राप्त हो जाती है और कभी न समाप्त होने वाला सुख भी प्राप्त होता है।

इस अवसर पर निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने कथा वाचिका प्राची देवी व उपस्थित श्रद्धालुओं का स्वागत एवं व्यासपीठ की आरती की। कार्यक्रम का संचालन श्री ओमपाल ने किया।

भजन संध्या का समापन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान द्वारा आयोजित दो दिवसीय वैशाखी भजन संध्या का समापन हुआ।

संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल ने बताया कि आस्था चैनल पर अपराह्न 3 से 6 बजे तक देश भर में प्रसारित इस भजन संध्या में वृन्दावन के भजन गायक धीरज बावरा व उनके ग्रुप ने प्रस्तुतियाँ भजन संध्या का निःशुल्क पोलियो ऑपरेशन के लिए देश के विभिन्न राज्यों से आये निःशक्तजन व उनके परिजनों ने खुब आनन्द उठाया।

बढ़ रहा है दिल की बीमारी का खतरा

चंडीगढ़। मधुमेह और हार्मोन के असंतुलन, तनाव, धूम्रपान और जंक फूड खाने की लत दिल पर भारी पड़ रही है। यहां आयोजित तीसरे अंतरराष्ट्रीय हार्ट फेलयर सम्मेलन में फोर्टिस अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डा. एच.के. बाली ने बताया कि हार्ट फेलयर ऐसी स्थिति है जब हृदय की मांसपेशियां अपर्याप्त रक्त आपूर्ति के कारण कमजोर पड़ जाती हैं और यह पूरी तरह से काम नहीं कर पाता, दिल की धड़कन बेहद धीमी पड़ जाती है और कई बार मांसपेशियों में सूजन और पानी भरने जैसी स्थिति भी होती हैं। ये सभी स्थितियां बाद में घातक साबित होती हैं। उन्होंने बताया कि आज की व्यस्त एवं भाग दौड़ की जिंदगी में लोग घर, कार्यस्थल और पारिवारिक तनाव से घिर रहे हैं। लोगों में मधुमेह और हार्मोनल असंतुलन के मामले भी बढ़ रहे हैं। युवाओं में धूम्रपान करने और जंक फूड खाने का प्रचलन बढ़ रहा है। लोग व्यायाम नहीं करते हैं। इन सभी कारणों से खराब कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है जिससे रक्त धमनियों में रूकावट होती है जो हृदय तक पर्याप्त रक्त आपूर्ति में बाधा पहुंचाती हैं तथा इससे हृदय की मांसपेशियां कमजोर पड़ने लगती हैं। डा. बाली ने बताया कि धमनियों में रूकावट के कारण दिल का दौरा पड़ने की सम्भावनाएं बढ़ जाती हैं। उन्होंने बताया कि चिंता की बात यह है कि युवाओं और महिलाओं में हृदय रोग के मामले बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि खराब कोलेस्ट्रॉल बनने से रोकने के लिए वसायुक्त और तले पदार्थों का सेवन न करने के अलावा खानपान की आदतों और दिनचर्या में बदलाव लाना जरूरी है। डा. बाली के अनुसार किसी व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ने के पहले कुछ घंटे उसकी जान बचाने के लिए बहुत अहम होते हैं। दिल का दौरा पड़ने या इसके लक्षण दिखने पर अगर जल्द ही धमनी में जमे खून के थक्के को गलाने के लिए अगर दवा दे जाती है तो रोगी के बचने की सम्भावनाएं भी बढ़ जाती हैं और उसे अस्पताल ले जाने का समय मिल जाता है। इसके कुछ ही मिनटों या एक घंटे के भीतर अगर एंजियोपलास्टी यानी धमनियों में स्टेंट डाल कर रूकावट खोल दी जाती है तो इससे हृदय को नुकसान होने से बचाया जा सकता है।

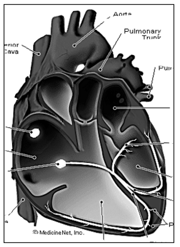

निःशक्तजन ने लिया कम्प्यूटर प्रशिक्षण

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान एवं आईसीआईसीआई फाउण्डेशन के ग्रामीण स्वरोजगार उद्यमिता विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में निःशक्तजन को रोजगार उपलब्ध कराने की दृष्टि से चलाए जा रहे केन्द्र सरकार से मान्यता प्राप्त विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षणों के तहत त्रैमासिक कम्प्यूटर प्रशिक्षण बेच का समापन हुआ। संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना अग्रवाल व आईसीआईसीआई फाउण्डेशन के परियोजना समन्वयक ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने बताया कि विभिन्न राज्यों के पूर्व पोलियोग्रस्त इन सभी प्रशिक्षणार्थियों के निःशुल्क ऑपरेशन भी संस्थान में ही सम्पन्न हुए हैं।

आमंत्रित हैं समाचार/सूचनायें/सुझाव

गत 28 वर्षों से विकलांग मंच पाक्षिक समाचार-पत्र का प्रकाशन राजस्थान की राजधानी जयपुर से हो रहा है - विकलांग समुदाय से संबंधित इस प्रकाशन को आप सबका, विशिष्टजनों एवं विकलांग कल्याण में कार्यरत सभी संस्थाओं और कार्यकर्ताओं का सहयोग एवं सद्भावनायें मिली हैं, इसके लिये विकलांग मंच आभारी हैं।

आपसे अनुरोध है कि विकलांग मंच के लिये - समाचार, लेख, कविता, कहानी, विचार तथा शोध प्रबंध/पत्र से संबद्ध समाचार/सूचनायें/सुझाव एवं भविष्य में इस क्षेत्र की संभावनाओं एवं योजनाओं तथा कार्यक्रम के संबंध में लिखने/जानकारी भेजने का कष्ट करेंगे, हमें भी बताते रहेंगे जिससे इनका समावेश विकलांग मंच में हो सके ।

विकलांग मंच परिवार में आपका स्वागत है।

विचारक, लेखक, कवि, संवाददाता, प्रतिनिधि के रूप में।

साथ ही आजीवन /वार्षिक सदस्य की भांति भी। आजीवन शुल्क रूपये 500/- एवं वार्षिक शुल्क है रूपये 50/- केवल । प्रतीक्षा है - आपके पत्र की, समाचार की एवं संबंध बनाये रखने की।

प्रबंधक, विकलांग मंच

8/141, मालवीय नगर, जयपुर-302017

फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350

E-Mail:vicklangmanch@ymail.com, E-Mail:vicklangmanch@gmail.com

कविता

आप ही तो हैं

आप ही तो हैं, अपने श्रेष्ठ शिक्षक
अपने आप को ही शिक्षा दीजिये
आप ही तो है, अपने उत्तम मित्र
अपने आप से ही मित्रता कीजिये
आप ही तो हैं, अपने सर्वप्रिय पालक
अपने आप की ही परवरिश कीजिए।
आप ही तो हैं, अपने अच्छे चिकित्सक
निरीक्षण कर अपने ही आप को स्वस्थ कीजिये
आप ही तो हैं, अपने उत्तम मार्ग दर्शक
अपनी समस्या सुनिये, विचार करिये और दिशा दिखाइये
आप ही तो हैं, अपने सर्वोत्तम भाग्य निर्माता
उत्तम कर्म करिए, सकारात्मक सोच रखिए और अपना भाग्य बनाइये।

- रेखा कारड़ा 'रेखाश्री'

विश्व रेडक्रॉस दिवस मनाया

भिवानी। उपायुक्त एवं जिला रैडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन अशोक कुमार मीणा के मार्गदर्शन में विश्व रैडक्रॉस दिवस मनाया गया। रैडक्रॉस के जन्मदाता सर जीन हेनरी ड्यूना के जन्म दिवस पर हर साल यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

स्थानीय रैडक्रॉस भवन में इस उपलक्ष्य में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें जिले भर से आए 500 युवाओं ने भाग लिया। इस मौके पर आयोजित रक्तदान शिविर में 40 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित नगराधीश अमरदीप सिंह ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। उन्होंने 15 अशक्तों को तिपहिया साईकिल व अन्य सहायक उपकरण भेंट किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तथा उपस्थित सभी नागरिकों ने मानव सेवा की प्रेरणा देने वाले सर जीन हेनरी ड्यूना की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर चित्रकला, भाषण व गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रकला में डीएवी पब्लिक स्कूल के छात्र कमल ने प्रथम, आरआईसीटी की छात्रा किरण ने दूसरा व निकिता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में सोनिया श्योराण प्रथम, नीलम द्वितीय व प्रीति तृतीय स्थान पर रही। गीत प्रतियोगिता में मोनिका शर्मा पहले, अमित दूसरे और कविता तीसरे स्थान पर रही। इन प्रतियोगिताओं में स्वेता और सृष्टि को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

कार्यक्रम में जिला पुनर्वास अधिकारी विजय सिंह यादव, रमेश मुआल, संजय कामरा, जय भगवान, कैलाश सैनी, जोगेंद्र सिंह, विकास, सरोज रानी, मनोज तंवर इत्यादि उपस्थित थे।

अधिक डांट-फटकार और धमकी से बच्चों पर प्रतिकूल असर

लन्दन। बचपन में जिन बच्चों को अधिक डराया तथा धमकाया जाता है इससे उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है और प्रौढावस्था में इन बच्चों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

ब्रिटेन के मनोचिकित्सकों के अनुसार जिन बच्चों को बचपन में अधिक डांट-फटकार का सामना करना पड़ता है अथवा जिनके सहपाठी उन्हें पीटते हैं तो ऐसे बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य न केवल प्रभावित होता है बल्कि 50 वर्ष की आयु में इन्हें अनेक दिक्कतों का सामना करना पडता है। ब्रिटेन के किंग्स कालेज लन्दन के सायकिएट्री संस्थान के मनोचिकित्सक यू ताकीजावा की अगुवाई में किए गए इस अध्ययन की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस संबंध में 40 वर्ष पूर्व कराए गए अध्ययन आज भी उतने ही प्रासंगिक है। इस अध्ययन में इंग्लैंड, स्काटलैंड और वेल्स में 1958 में एक हफ्ते में जन्में 7771 बच्चों को शामिल किया गया था।

कैश ट्रांसफर योजनाओं को भामाशाह से जोड़ा जाएगा

जयपुर। राज्य सरकार भामाशाह योजना को नए स्वरूप में लागू करने की तैयारी कर रही है। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद आयोजना विभाग इस योजना पर काम में जुट गया है। सरकार 1 जुलाई से इसे शुरू करना चाहती है। पूर्व में इस योजना में महिलाओं के खाते खोल कर उनमें 1500 रुपए जमा करवाए गए थे।

इस बार सरकार योजना में पैसा नहीं देगी बल्कि विभागों में चल रही कैश ट्रांसफर योजनाओं को भामाशाह से जोड़ेगी। इन योजनाओं के लाभार्थियों को यूनिक आईडेंटिफिकेशन नंबर दिया जाएगा। इसमें केंद्र और राज्य दोनों की कैश बेनीफिट ट्रांसफर स्कीम शामिल होगी। वर्तमान में केंद्र की 27 और राज्य सरकार की 125 कैश बेनीफिट ट्रासफर स्कीम संचालित हैं।

इस बार अलग-अलग विभागों की एक जैसी योजनाओं को चिन्हित कर उनमें दी जा रही सहायता राशि को एक ही अनुपात में रखा जाएगा।

वित्त विभाग के सूत्रों का कहना है फिलहाल एक जैसी योजनाएं कई संचालित हो रही हैं जिससे एक ही व्यक्ति कई बार फायदा ले लेता है। यूआईडी से जुड़ने के बाद योजनाओं का ऐसे लोगों पर सरकार नियंत्रण करे सकेगी जिससे पहले से ज्यादा लोगों को योजनाओं का फायदा मिलेगा। जून 2008 में इस योजना को लेकर वसुंधरा सरकार ने काम शुरू किया था। हालांकि बाद में गहलोत सरकार ने इसे बंद कर दिया।

केंद्र ने मांगी कैश बेनीफिट योजनाओं की जानकारी : केंद्र ने राज्य के वित्त विभाग को पत्र लिखकर यहां चल रही डायरेक्ट कैश बेनीफिट ट्रांसफर स्कीम्स की जानकारी मांगी है। वित्त विभाग ने इसे लेकर आयोजना और अन्य विभागों से भी जानकारी मांगी है।

मंदबुद्धि बच्चों का हाल-चाल जाना

भिवानी। जिला एवं सत्र न्यायाधीश व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन जे.आर. चौहान ने आज स्थानीय पुराने बस स्टैण्ड के नजदीक प्रयास संस्था का दौरा किया तथा यहां शिक्षा ग्रहण कर रहे मंदबुद्धि बच्चों का हाल-चाल जाना। इस विशेष विद्यालय में बच्चों को मिठाईयां भेंट करने के बाद चौहान ने स्कूल शिक्षिका सुमन देवी से इनकी समस्याओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि यदि घर से विद्यालय तक बच्चों के आवागमन की व्यवस्था का ठोस प्रबंध हो जाए तो ज्यादा बच्चे इस संस्था का लाभ उठा सकते हैं। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने इस संदर्भ में हर संभव सहायता दिलवाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि 125 सीआरपीसी के अंतर्गत कोई भी नाबालिग या नि:शक्त बच्चा अपने माता-पिता अथवा संरक्षक से भरण-पोषण का खर्चा प्राप्त करने का अधिकारी है। चौहान ने कहा कि एक सामान्य बच्चे की तरह अशक्त बच्चों का

भी विकास होना चाहिए। मंदबुद्धि बच्चों को समाज व परिवार से जीवनयापन के लिए हर तरह की सुविधा और सहयोग मिलना चाहिए। जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव श्रीमती स्वाति सहगल ने इस मौके पर बताया कि शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत नि:शक्त बच्चों को भी सरकारी स्कूलों में नि:शुल्क शिक्षा देने का अधिकार दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण असहाय व नि:शक्त व्यक्तियों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है। इस अवसर पर अधिवक्ता दयानंद सैनी, प्रदीप वशिष्ठ, सुभाष प्रजापत, अमित कौशिक, अजय सिवाच,अधीक्षक डीएन भारती, सुधाकर पांडे, रेनु देवी इत्यादि मौजूद थे।

रोचक तथ्य

गाय धरती पर एकमात्र ऐसा प्राणी है जो आक्सीजन ग्रहण करता है. साथ ही आक्सीजन ही छोड़ता है, गाय प्रकृति से अपनी आव्यशकता का 21% आक्सीजन लेती है और मात्र 5% उपयोग में लाकर बाकी का 16% प्रकृति को वापस कर देती है! गौ-माता के शारीर पर प्रतिदिन 15-20 मिनट हाथ फेरने से ब्लड प्रेशर जैसी बीमारी एकदम ठीक हो जाती है.

उदारमना दानदाताओं के ध्यानार्थ

लुई ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान कम्प्यूटर, टाइपिंग-शार्टहैण्ड एवं अन्य पुनर्वासिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। वर्तमान में संस्थान के बढ़ारणा स्थित ब्लाइंड रिलिफ सेन्टर में दृष्टिहीन बालक-बालिकाएं प्रशिक्षणरत हैं। केन्द्र के आवर्तक-अनावर्तक खर्चो के लिए समाज के उदारमना दानदाताओं से सहयोग हेतु निवेदन है।

दान धारा 80-जी के अन्तर्गत कर छूट योग्य

-: सम्पर्क :-

लुई-ब्रेल दृष्टिहीन विकास संस्थान

एच-32, बढ़ारणा, टेलीकॉम ट्रेनिंग सेन्टर के पीछे, वाया रोड नं. 14, वी.के.आई. एरिया, जयपुर-302013, फोन:0141-2460684, 2235738, मो.:09314561988 (सचिव)

नेत्र चिकित्सा शिविर में 224 रोगियों की जांच

दिल्ली। दिल्ली की प्रमुख समाजसेवी संस्था तरूण मित्र परिषद व मित्र संगम दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में एक नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा व स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। झील कुरंजा स्थित टैगोर पब्लिक स्कूल में आयोजित इस 106वें शिविर का उपमहापौर, पूर्वी दिल्ली नगर निगम, महेन्द्र आहूजा ने दीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किया, कार्यक्रम में निगम पार्षद जयगोपाल वर्मा व कल्पना जैन ने उनके क्षेत्र में शिविर लगाने हेतु आभार प्रकट किया, कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रबन्धक चन्द्र कांत अरोडा ने की। तरूण मित्र परिषद के महासचिव अशोक जैन ने बताया कि इस 106वें नेत्र शिविर में डी.के जैन आई केयर की नेत्र सर्जन डा. रूमा गुप्ता ने 224 नेत्र रोगियों की जांच कर दवाइयां प्रदान की तथा 36 रोगियों को मोतियाबिन्द के नि:शुल्क ऑपरेशन हेतु चयन किया। इनमें से 27 रोगियो के ऑपरेशन ए.डी.के. जैन आई केयर अस्पताल में किये किये तथा चिकित्सा, दवाइयां, भोजन व लेंस आदि सभी सुविधाएं नि:शुल्क प्रदान की गई। मित्र संगम के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह जरयाल के अनुसार पूर्व महानगर पार्षद मास्टर सोमनाथ की स्मृति में आयोजित शिविर में मैटो अस्पताल के चिकित्सको द्वारा हार्ट, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर व ई.सी.जी. द्वारा जांच की गई व बिट्टू कक्कड द्वारा कब्ज, बवासीर, पत्थरी व शुगर की दवाइयां नि:शुल्क वितरित की गई। कार्यक्रम में तरूण मित्र परिषद के सहसचिव राकेश जैन. पी.आर.यादव, सुभाष अरोडा, विशाल अरोडा, संदीप आहूजा व सुनील कथूरिया प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

तरूण मित्र परिषद

दुबई में विकलांग हुए भारतीय को 2 लाख डॉलर का मुआवजा

दुबई। दुबई की एक अदालत ने कार हादसे में विकलांग हुए 47 साल के एक भारतीय को मुआवजा देने का आदेश दिया है। अदालत के आदेश पर विकलांग हुए भारतीय को 10 लाख दिरहम यानी करीब 2 लाख डॉलर का मदद दी जाएगी। बताया जा रहा है कि गाड़ी चलाते वक्त ड्राइवर को नींद आ गई और गाड़ी उसके कंट्रोल से बाहर होकर पलट गई। इसके बाद उसे एक अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां करीब 3 महीने उसका इलाज चला। साल 2012 में हुए इस हादसे के बाद से वो खाने और पीने की हालत में नहीं हैं और उसे 24 घंटे केयर की जरूरत है। दुबई अपीली अदालत ने बीमा कंपनी को आदेश दिया कि उसे 10 लाख दिरहम का मुआवजा दिया जाए। इस व्यक्ति ने बीमा कंपनी से 20 लाख दिरहम के मुआवजे की मांग करते हुए मुकदमा दायर किया था।

उदयपुर में स्थापित होगा देश का पहला जीवनी आश्रय धाम

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर की स्वयं सेवी संस्थान मां भगवती विकास संस्थान द्वारा जन्म से पहले गर्भस्थ शिशुओं की बढ़ती हत्याओं को रोकने के लिए अनूठी पहल करते हुयें शेल्टर होम (जीवनी आश्रय धाम) की स्थापना की जा रही है। संस्थान के संस्थापक संचालक योग गुरु देवेन्द्र अग्रवाल ने बताया कि देश में अपनी तरह का यह पहला आश्रय धाम तीन महीनों में यहां चित्रकूट नगर में प्रारंभ हो जायेगा। उन्होंने बताया कि जीवनी आश्रय धाम स्थापना का मुख्य उद्देश्य गर्भ में पल रहें निर्बल, असहाय, निरपराध, मूक शिशु की हत्या को रोकना है। इसके तहत परिस्थितिवश अपने बच्वें को जन्म देने से डर रही कोई भी गर्भवती महिलाओं को इस धाम में आश्रय दिया जायेगा तथा उसके बच्चे एवं उसकी सुरक्षा का दायित्व का निर्वहन किया जायेगा। अग्रवाल ने बताया कि गर्भपात से माताएं जहां एक और गर्भपात के कुकृत्य से अपनी प्रिय संतान को खो देती है वहीं दूसरी और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ करती है जिससे उनका शरीर रोगों का घर बन जाता है अधिकांश महिलाएं गर्भपात के बाद दुबारा मां नहीं बन पाती।

वंचित वर्ग की प्रतिभाओं को दें व्यापक अवसर:चतुर्वेदी

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि कमजोर और वंचित वर्ग को मुख्यधारा में लाने के साथ-साथ विभागीय योजनाओं से जुडे प्रतिभावान विद्यार्थियों की प्रतिभा के निखार के लिए भी पूरे अवसर दिए जाएंगे।

चतुर्वेदी ने कोटा में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे कमजोर वर्ग की प्रतिभाओं को फलने-फूलने के लिए पर्याप्त अवसर मुहैया कराएं और उनके सपनों को साकार करने में मददगार बनें।

चतुर्वेदी ने विभागीय अधिकारियों की बैठक में विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कहा कि वे सामाजिक सरोकारों के प्रति दायित्व की भावना रखते हुए विभागीय योजनाओं को क्रियान्वित करें ताकि इन योजनाओं का वास्तविक लक्ष्य हासिल हो सके और वंचित वर्ग को समान अवसर मिल सकें। उन्होंने कहा कि विभाग के छात्रावासों में अध्ययनरत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को चिन्हित कर उन्हें ऐसे अवसर एवं वातावरण उपलब्ध कराने के प्रयास करें कि उनकी प्रतिभा का निखार हो सके और वे अपनी रूचि के क्षेत्र में आगे बढकर अपने सपने पूरे कर सकें। उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यार्थियों के लिए संबंधित अधिकारी अनुकूल माहौल, शिक्षा, कोचिंग एवं प्रशिक्षण इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित करायें।

उन्होंने निर्देश दिये कि विभाग के छात्रावासों के साथ-साथ सभी योजनाओं की प्रभावी मॉनिटरिंग हो तभी श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं का अधिकाधिक प्रचार प्रसार किया जाये ताकि जरूरतमंद लोग इनसे अधिकाधिक लाभान्वित हो सकें।

उन्होंने नवजीवन योजना की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि योजना में नये-नये क्षेत्रों में प्रशिक्षण आरंभ किये जायें ताकि इस योजना का लाभ वांछित लाभ मिल सके। उन्होंने पेंशन योजना के बारे में जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि ऐसे प्रयास किये जायें कि लाभार्थियों को कोई असुविधा न होने पाये। उन्होंने कहा कि छात्रवृति के प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण हो, प्रकरण अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहें। उन्होंने विभाग द्वारा संचालित अनुप्रति, पालनहार, सहयोग, भिक्षावृति पुनर्वास, अन्तर-जातीय विवाह योजना, सम्बल ग्राम योजना सहित अन्य सभी योजनाओं के बारे में उपनिदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग श्रीमती सविता कृष्णिया से विस्तारपूर्वक जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

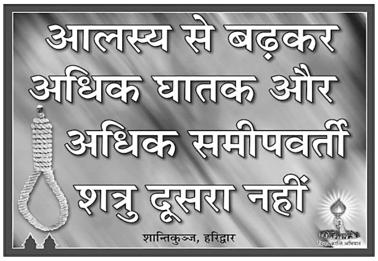

विकलांग मंच वेबसाइट पर भी

विकलांग मंच के सभी सुधि पाठकों से निवेदन है कि आपका राष्ट्रीय पाक्षिक समाचार पत्र 'विकलांग मंच' अब वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। पाठक नवीनतम अंक के लिए www.lbdvs.com पर अवलोकन करें।

-प्रबंधक

सुधि शुभचिंतकों की सूचनार्थ

समाज के सर्वहारा वर्ग का प्रकाशन विकलांग मंच समाज, शासन एवं नि:शक्तजनों के मध्य सेतु माध्यम का अकिंचन प्रयास है। देश के अन्य राज्यों सहित राजस्थान में नि:शक्तजनों के कल्याणार्थ किए गए कार्यों की जानकारी समाज के सामने रखने का प्रकाशन का पूरा प्रयास रहता हैं। उदारमना महानुभावों के सहयोग से व्यापक प्रसार संख्या वाले इस प्रकाशन की नि:शक्तजनों की सेवा में महती भूमिका है।

आपश्री से निवेदन है कि कृपया आप स्वयं एवं अपने परिचितों को विकलांग मंच का सदस्य (सहयोग राशि आजीवन 500/- अथवा वार्षिक 50/-रूपये मात्र) बनने के लिए प्रेरित करें। आपश्री अपनी सहयोग राशि मनीआर्डर/ डीडी/ पोस्टल आर्डर/ एट पार चेक (जो विकलांग मंच जयपुर के नाम देय हो) द्वारा निम्न पते पर भिजवा सकते हैं। इसके अलावा आपश्री अपनी सहयोग राशि भारतीय स्टेट बैंक में विकलांग मंच के खाता संख्या 32093997756 में भी सीधे जमा करा कर मोबाइल फोन 09352320013 अथवा ई-मेल vicklangmanch@gmail.com पर मैसेज (अपने डाक पते सहित) देने का अनुग्रह करें।

प्रबंधक, विकलांग मंच

8/141,मालवीय नगर, जयपुर-302 017

फोन : 0141-2547156, फैक्स : 0141-4036350